गांवों के बच्चों को भी विज्ञान के प्रयोग करने का मिलेगा मौका, यूकॉस्ट भेजेगा मोबाइल साइंस लैब

चर्चा में क्यों?

27 जुलाई, 2023 को उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के महानिदेशक डॉ. दुर्गेश पंत ने बताया कि प्रदेश के दुर्गम इलाकों के बच्चे भी अब विज्ञान के प्रयोग सीख सकेंगे। इसके लिये लैब्स ऑन व्हील कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश में पहली बार हर ज़िले में यूकॉस्ट की मोबाइल वैन जाएगी, जिसमें लैब का पूरा साजो-सामान होगा।
- विदित है कि प्रदेश में तमाम विद्यालय ऐसे हैं, जहाँ लैब्स तो हैं, लेकिन उतनी सुदृढ़ नहीं हैं, जितनी होनी चाहिये। कई जगहों पर तो बच्चे विज्ञान के प्रयोग भी नहीं कर पाते। खासतौर से आठवीं या 10वीं तक के बच्चे जो किताबें पढ़ते हैं, उनका वैज्ञानिक प्रयोग करने की व्यवस्थाएँ कमतर हैं। इस कमी को दूर करने के लिये ही यूकॉस्ट लैब्स ऑन व्हील कार्यक्रम शुरू कर रहा है।
- जानकारी के मुताबिक, हर ज़िले में एक मोबाइल वैन संचालित की जाएगी। इस वैन में वैज्ञानिक प्रयोगों से जुड़े हुए सभी उपकरण होंगे। एक-एक विशेषज्ञ की टीम भी साथ रहेगी। यह टीम दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँचकर बच्चों को विज्ञान के प्रयोग सिखाएगी। विज्ञान के चमत्कार बताएगी।
- यूकॉस्ट का मानना है कि इससे बच्चों के भीतर वैज्ञानिक सोच विकसित होगी। विज्ञान के क्षेत्र में उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिलेगी।
- नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम (एनसीएसएम) की ओर से यूकॉस्ट झाझरा के बराबर में ही 25 एकड़ भूमि पर साइंस सिटी का निर्माण किया जा रहा है। यह अपनी तरह की सबसे अलग सिटी होगी, जिसमें जीवन के हर पहलू को विज्ञान के माध्यम से समझाया जाएगा। इस तरह की साइंस सिटी पूरे देश में चुनिंदा ही है।
- इसके अलावा, अल्मोड़ा में सब रीजनल साइंस सेंटर का निर्माण भी शुरू हो गया है। इसके लिये मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पाँच करोड़ दिये हैं। इसे इसी साल से शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rural-children-to-experiment-with-science-mobile-science-lab-will-be-provided-by-ucost